भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1346
उत्तर देने की तारीख 27.07.2026

धरोहर गांवों के माध्यम से सांस्कृतिक पर्यटन

1346. श्री धर्मबीर सिंह :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का स्थानीय इतिहास, पारंपरिक शिल्प, लोक संगीत, व्यंजन और ग्रामीण पर्यटन को एकीकृत करके देश भर में 'धरोहर गांवों' को विकसित करने का विचार है;

(ख) क्या महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले गांवों की पहचान करने के लिए कोई दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं;

(ग) इस योजना के तहत विरासत संरचनाओं के संरक्षण और स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए जाने वाले प्रस्तावित प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त पहल के तहत हरियाणा के भिवानी-महेंद्रगढ़ लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के किसी गांव की पहचान की गई है या पहचान किए जाने का विचार है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्थानीय इतिहास, पारंपरिक हस्तशिल्प, लोक संगीत, स्थानीय व्यंजन तथा ग्रामीण पर्यटन के समेकन के माध्यम से धरोहर गांव के विकास के लिए कोई विशेष योजना लागू नहीं की जा रही है।

हालाँकि, संस्कृति मंत्रालय भारत की मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अनुसंधान, प्रलेखन, संरक्षण तथा प्रसार से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप संचालित करता है। यह देश भर के गाँवों की सांस्कृतिक विरासत का प्रलेखन एवं डिजिटल मानचित्रण भी करता है, जिसमें स्थानीय इतिहास, पारंपरिक हस्तशिल्प, लोक परंपराएँ, कला रूप तथा अन्य सांस्कृतिक संपदा शामिल हैं। ऐसी प्रलेखन एवं सांस्कृतिक मानचित्रण पहलें सरकार द्वारा संचालित व्यापक विरासत विकास कार्यक्रमों के लिए शैक्षणिक तथा अभिलेखीय सहायता प्रदान कर सकती हैं।

*****